16.43-3/4 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Amendment of article* 370).

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

Mr. Chairman: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

Shri Hari Vishnu Kamath: Chairman Madam, I introduce the Bill.

16.44 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT BILL*

(*Amendment of article* 130).

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

Mr. Chairman: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

Shri Hari Vishnu Kamath: Chairman, Madam I introduce the Bill.

16.44½ hrs.

PROHIBITION OF MANUFACTURE AND IMPORT OF HYDROGENATED VEGETABLE OILS BILL—*by* Shri Yashpal Singh—*contd.*

Mr. Chairman: The House will take up further consideration of the following motion moved by Shri Yashpal Singh on the 18th November, 1966:—

"That the bill to provide for prohibition of manufacuture and import of hydrogenated vegetable oils in India, be circulated for the purpose of eliciting opinion thereon by the 1st February, 1967."

Already we have taken one hour, so that there is only half and hour more for this discussion. Shri Radhelal Vyas.

16.45 hrs.

[MR. DEPUTY SPEAKER *in the Chair*]

श्री राधेलाल व्यास (उज्जैन) : इस विधेयक पर पिछली बार भी काफ़ी चर्चा हुई थी । वनस्पति घी पर प्रतिबन्ध लगाने का यह जो विधेयक है इस में कुछ बातों पर विचार करना बहुत जरूरी है । जैसा कि मैंने पिछली बार भी बताया था वनस्पति घी अब एक . . .

श्री हरि विष्णु कामत (होशंगाबाद): घी नहीं है ।

श्री राधे लाल व्यास : घी ही इस को कहते हैं । सभी जगह इसको घी ही के नाम से ही पुकारा जाता है । इसलिये जो नाम इसका पड़ गया है उसी नाम का मैं प्रयोग करूंगा । यह वनस्पति जो हमें मिलता है या जो हम खरीदते हैं इसको बड़े बड़े पैसे वाले भी खरीदते हैं । उनके यहां जो ब्याह शादियां होती हैं उन में भी वनस्पति घी से ही चीज़ बनाई जाती हैं और उनको इसी से तैयार किया जाता है । इस वास्ते अगर इसको एक दम बन्द कर दिया गया तो मैं समझता हूं कि देश में महान संकट पैदा हो जाएगा और लोगों को मुशकिल हो जाएगी और जो थोड़ा बहुत घी लोगों को मिलता है वह भी मिलना मुशकिल हो जाएगा । यह जरूर है कि इसका दुरुपयोग होता है, इसको असली घी में मिला दिया जाता है और उस पर ही सारी आपति है । इस विषय पर यहां कई बार चर्चा हो चुकी है और इस पर भी चर्चा हो चुकी है कि इस

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2; dated 2-12-66.